Education with Fun

Name: _____ Date: _____

टोपी

प्रश्न-1 टोपी बनवाने के लिए गवरइया किस किस के पास गई? टोपी बनने तक के एक–एक कार्य को लिखें।

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

प्रश्न-2 गवरइया के स्वभाव से यह प्रमाणित होता है कि कार्य की सफलता के लिए उत्साह आवश्यक है। सफलता के लिए उत्साह की आवश्यकता क्यों पड़ती है, तर्क सहित लिखिए।

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

https://educationwithfun.com

टोपी

प्रश्न-1 टोपी बनवाने के लिए गवरइया किस किस के पास गई? टोपी बनने तक के एक–एक कार्य को लिखें।

उत्तर गवरइया अपनी टोपी बनवाने के लिए निम्नलिखित लोगो के पास गई:

1. गवरइया रूई का फाहा लेकर सबसे पहले धुनिया के पास गई, ताकि वह रूई का धुनने का काम कर दे।
2. धुनी हुई रूई से सूत कतवाने के लिए वह कोरी के पास गई।
3. उस लच्छेदार सूत को लेकर वह उसका कपडा बनवाने के लिए एक बुनकर के पास गई।
4. बुने हुए कपड़े को लेकर वह दर्जी के पास गई ताकि उससे टोपी सिलवा सके। दर्जी ने उस टोपी में पाँच फुँदने भी लगा दिए, जिससे टोपी की सुंदरता और बढ़ गई।

प्रश्न-2 गवरइया के स्वभाव से यह प्रमाणित होता है कि कार्य की सफलता के लिए उत्साह आवश्यक है। सफलता के लिए उत्साह की आवश्यकता क्यों पड़ती है, तर्क सहित लिखिए।

उत्तर सफलता के लिए उत्साह आवश्यक है। कहा भी गया है कि मन के हारे हार है मन के जीते जीत। उत्साह से ही हमारे मन में किसी भी कार्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न होती है। यदि हम किसी भी कार्य को बेमन से करेंगे तो निश्चय ही हमें उस कार्य में पूर्णतया सफलता नहीं मिलेगी।

कहानी में गवरइया के मन में बस एक बार ही टोपी पहनने का ख्याल आया था परन्तु उसने निश्चय कर लिया था कि चाहे जो भी हो जाए वह टोपी तो पहनकर रहेगी। तभी घूरे पर चुगते हुए उसे रुई का फाहा मिला। उसने सोचकर एक कदम बढ़ा दिया था। अगली मंजिल उसे अपने आप मिलती चली गई। गवरइया में टोपी पहनने का उत्साह था। वो गवरे के कहने पर भी हताश नहीं हुई। उसने अपनी इच्छा को जगाए रखा। धुनिये, कोरी, बुनकर और दर्जी ने काम करने से ना भी किया लेकिन गवरइया ने उन्हें अच्छा प्रस्ताव देकर मना लिया। अंत में उसकी टोपी पहनने की इच्छा पुरी हुई।

https://educationwithfun.com